

गोवि में 14 विदेशी छात्रों ने लिया प्रवेश

प्रवेश लेने वाले छात्रों में नेपाल के 12 और अमेरिका व श्रीलंका के एक-एक विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को नए सत्र में प्रवेश को लेकर विदेशी छात्रों को आकर्षित करने में बड़ी सफलता मिली है। सत्र 2024-25 में कुल 14 विदेशी छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा चुके हैं। सर्वाधिक नौ छात्रों ने विभिन्न विषयों में पीएचडी में प्रवेश लिया है। आठ विदेशी छात्रों ने पहले चरण में प्रवेश लिया था। दूसरे चरण में छह छात्रों ने पीएचडी में पंजीकरण कराया है। पीएचडी में प्रवेश लेने वाले आठ छात्र नेपाल के हैं जबकि श्रीलंका के एक छात्र ने अपना पंजीकरण कराया है।



गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

विश्वविद्यालय के प्रति विदेशी छात्रों के बढ़ते रुझान से साफ है

कि इसकी साख विश्व स्तर पर बन रही है। आठ छात्रों ने पहले ही प्रवेश ले लिया है। 13म छह और छात्रों ने प्रवेश सुनिश्चित किया है।

अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक और वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. रामवंत गुप्ता ने बताया कि नेपाल के तीन छात्र व्यवसाय प्रबंधन और दो छात्र कंप्यूटर साइंस विषय में पीएचडी के लिए पंजीकृत हुए हैं। अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए एक-एक नेपाली छात्र ने प्रवेश लिया है। श्रीलंका के एक छात्र का समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए पंजीकरण हुआ है। यूएसए के

ये छात्र पहले ही ले चुके हैं प्रवेश

- आदर्श यादव (नेपाल) : बीएससी बायो
- सहवान शोख (नेपाल) : बीएससी बायो
- रामकिशुन यादव (नेपाल) : बीएससी मैथ
- दिवाकर गौतम (नेपाल) : एमएससी बायोइन्फार्मेटिक्स
- सुवीर गुप्ता (यूएसए) : एलएलबी
- अभिषेक विमिरे (नेपाल) : पीएचडी (अर्थशास्त्र)
- नरेश (नेपाल) : पीएचडी (समाजशास्त्र)
- मोहन विक्रमसिंघे (श्रीलंका) :

- पीएचडी (समाजशास्त्र)
- हरिलाल भंडारी (नेपाल) : पीएचडी (कंप्यूटर साइंस)
- नारायण प्रसाद दहल (नेपाल) : पीएचडी (कंप्यूटर साइंस)
- प्रकाश केसी (नेपाल) : पीएचडी (अर्थशास्त्र)
- केशव राज न्युने (नेपाल) : पीएचडी (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- भुवन पांडेय (नेपाल) : पीएचडी (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- बुद्धिराम चौधरी (नेपाल) : पीएचडी (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)

मैत्रेय हास्टल में परिवार के साथ रहने की मिलेगी सुविधा

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के रहने के लिए एक अलग हास्टल की व्यवस्था की है। अंतरराष्ट्रीय मैत्रेय हास्टल में यह छात्र अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। इस हास्टल के हर कमरे से अटैच शौचालय व फिनेन की व्यवस्था दी गई है। हर कमरे में दो छात्रों के रहने की व्यवस्था है। यदि कोई छात्र अपने परिवार के साथ रहना चाहेगा तो उसे अकेले रहने की सुविधा भी विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उसे दो छात्रों का हास्टल शुल्क जमा करना होगा।

में प्रवेश लिया है। डा. रामवंत ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं किया है। यह प्रवेश विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और इसकी विश्व स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

डीडीयू में 9 विदेशी छात्र करेंगे पीएचडी, 14 ने लिया प्रवेश

गोरखपुर, निज संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखरने की कवायद में जुटे गोरखपुर विश्वविद्यालय को इस दिशा में बड़ी कामयाबी मिली है।

सत्र 2024-25 में कुल 14 विदेशी विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इनमें 9 छात्रों ने पीएचडी में प्रवेश लिया है।

पीएचडी में प्रवेश लेने वालों में 8 नेपाली और एक श्रीलंका से है। डीडीयू में इंटरनेशनल सेल के निदेशक डॉ. रामवंत गुप्ता ने बताया कि नेपाल के तीन छात्र व्यवसाय प्रबंधन और दो कंप्यूटर साइंस विषय में पीएचडी के लिए पंजीकृत हुए हैं। अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए एक-एक नेपाली छात्र ने प्रवेश लिया है। श्रीलंका के एक छात्र का समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए पंजीकरण हुआ है। यूएसए के एक छात्र ने एलएलबी में प्रवेश लिया है।

■ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डीडीयू को मिली बड़ी कामयाबी, पहली बार इतने विदेशी छात्र प्रवेश लेने वाले छात्रों में नेपाल के 12 और यूएसए व श्रीलंका के एक-एक विद्यार्थी

विश्वविद्यालय की साख विश्व स्तर पर बन रही है। इस सत्र में कुल 14 विदेशी छात्रों ने प्रवेश लिया है। अभी कुछ और विदेशी छात्रों के प्रवेश लेने की संभावना है। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

नदियों के संरक्षण में युवा निभाएं अपनी भूमिका

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान व भारतीय जीव संस्थान देहरादून और विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला शनिवार को सम्पन्न हो गई। समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. रामचंद्र चौधरी ने कहा कि गंगा की जैव विविधता और वेटलैंड का संरक्षण जरूरी है। गंगा के आस-पास की भूमि वेस्ट उर्वर है, वहां कुछ उपाय करके किसानों को आमनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने नदियों के संरक्षण में युवाओं की भूमिका की चर्चा करते हुए उन्हें इसके लिए आगे आने अनुरोध किया। वरिष्ठ परियोजना सहयोगी राहुल गुप्ता

• गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि एवं प्राकृतिक संस्थान में आयोजित कार्यशाला का हुआ समापन

• राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन विषय पर आयोजित हुई दो दिवसीय कार्यशाला

ने 'युवाओं में जैव विविधता संरक्षण के शिक्षा का महत्व' विषय पर अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि विश्व पोस्टर प्रतियोगिता में ऋषभ व उनकी टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर एग्रीनामी विभाग के अर्पित कुमार यादव व टीम रही। कार्यक्रम में डा. रितेश, डा. निखिल, डा. तनवीर, डा. अवधेश, डा. रुद्राक्ष, डा. चंद्रशेखर प्रजापति, डा. अनुपम दूबे आदि मौजूद रहे।

संबोधित किया। संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में ऋषभ व उनकी टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर एग्रीनामी विभाग के अर्पित कुमार यादव व टीम रही। कार्यक्रम में डा. रितेश, डा. निखिल, डा. तनवीर, डा. अवधेश, डा. रुद्राक्ष, डा. चंद्रशेखर प्रजापति, डा. अनुपम दूबे आदि मौजूद रहे।

यह और अन्य खबरें देखें- https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

साहित्य विमर्श के 12वें संस्करण का हुआ विमोचन

जासं, गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका 'साहित्य विमर्श' के 12वें संस्करण का विमोचन शनिवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। नवंबर 2023 में शुरू हुई यह पत्रिका विद्यार्थियों द्वारा संपादित की जाती है। इस बार का संस्करण महात्मा गांधी को समर्पित है, जिनके सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के सिद्धांतों का संदेश समाज में अत्यधिक प्रासंगिक है। कुलपति ने कहा कि साहित्य विमर्श के माध्यम से छात्र न केवल अपने लेखन और संपादन कौशल को विकसित कर रहे हैं, बल्कि वे महत्वपूर्ण सोच और वास्तविक जीवन के प्रबंधन का भी अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि यह पत्रिका हमारे छात्रों की रचनात्मकता और समर्पण को प्रदर्शित करती है।

डीडीयू : 14 विदेशी छात्रों ने लिया प्रवेश

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में कुल 14 विदेशी छात्रों ने पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है। सबसे ज्यादा नौ छात्रों ने विभिन्न विषयों में पीएचडी में प्रवेश लिया है। आठ विदेशी छात्रों ने पहले चरण में प्रवेश लिया था। दूसरे चरण में छह छात्रों ने पीएचडी में पंजीकरण कराया। पीएचडी में प्रवेश लेने वाले आठ छात्र नेपाल के हैं। जबकि, श्रीलंका के एक छात्र ने अपना पंजीकरण कराया है। अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. रामवंत गुप्ता ने बताया कि नेपाल के तीन छात्र व्यवसाय प्रबंधन और दो छात्र कंप्यूटर साइंस विषय में पीएचडी के लिए पंजीकृत हुए हैं। अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए एक-एक नेपाली छात्र ने प्रवेश लिया है। श्रीलंका के एक छात्र का समाजशास्त्र विषय में पीएचडी के लिए पंजीकरण हुआ है। यूएसए के एक छात्र ने एलएलबी में प्रवेश लिया है। नेपाल दो छात्रों ने बीएससी बायो, एक छात्र ने बीएससी गणित और एक छात्र ने एमएससी बायो इन्फार्मेटिक्स में प्रवेश लिया है।